## *Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)*

## *Bachelor of Performing Art (B.P.A.-I Year)*

## *Kathak Dance Private*

## *2021-22*

| paper S. N. | Subject/Paper | Subject Code | End Term | Total Marks% | Minimum Passing Marks % |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Section-"A" Core-1 Kathak<br>I- History & development of Indian Dance | C1-BMVI-101 | 100% | 100 | 33% |
| 2. | II- Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical | C1-BMVI-102 | 100% | 100 | 33% |
| 3. | Core-2 Technical Terms Practical<br>I- Demonstration &Viva | C1-BMVI-101 | 100% | 100 | 33% |
| 4. | II- Stage Performance | C1-BMVI-102 | 100% | 100 | 33% |
| 5. | Section-"B" (Only Practical)<br>Elective Open Subject<br>Folk dance/sound operating/Tabla | EO-BMVI-101 | 100% | 100 | 33% |
| | Total | | | 500 | |

# राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम (स्वाध्यायी)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2021–22

Class : BPA I[st] Year
Subject : Kathak
Paper : I[st]
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांतHistory and development of Indian dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 100

Particulars/विवरण

| | |
|---|---|
| Unit- 1[st] | पारिभाषिक शब्दों का अध्ययन–<br>1. ततकार, हस्तक, ठाठ, ताल, ठेका, मात्रा, सम, ताली, खाली, विभाग।<br>2. कथक नृत्य शैली का परिचय। |
| Unit- II[nd] | तीन ताल में निम्नानुसार नृत्य :–<br>1. पद संचालन, हस्तक संचालन, ठाठ, एक उठान, एक आमद, तीन सादा तोड़े, एक परन, एक तिहाई।<br>2. चक्करदार परन अथवा तोड़े, एक कवित्त एवं तत्कार की ठाह, दुगुन, चौगुन। |
| Unit- III[rd] | 1. ताण्डव एवं लास्य नृत्य का सविस्तार वर्णन।<br>2. नटन भेदों की जानकारी। |
| Unit- IV[th] | 1. गत निकास, गत भाव को परिभाषित कीजिए।<br>2. भारतीय नृत्यकला के इतिहास पर प्रकाष डालिए। |
| Unit- V[th] | 1. नृत्य का इतिहास– प्राचीन काल से मध्य काल तक।<br>2. जीवनी एवं कथक नृत्य में योगदानः पं. बिन्दादीन महाराज, पं. कालका प्रसाद, पं. अच्छन महाराज, पं. लच्छू महाराज, पं. शम्भू महाराज एवं पं. बिरजू महाराज। |

# राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं कें लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(स्वाध्यायी)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2021–22

Class : BPA I[st] Year
Subject : Kathak
Paper : 2[nd]
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 100

Particulars/विवरण

| | | |
|---|---|---|
| Unit- 1st | 1. गणेशवंदना अथवा गुरू वंदना पर भाव प्रदर्शन।<br>2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार (1–16) असंयुक्त हस्तमुद्राओं का मूल–श्लोक सहित अध्ययन। | |
| Unit- II[nd] | 1. अभिनय दर्पण में वर्णित असंयुक्त हस्तों का श्लोक सहित अध्ययन एवं क्रमानुसार (1 से 16) तक हस्तमुद्राओं का चित्रांकन व विनियोग सहित वर्णन<br>2. लोकनृत्य को परिभाषित कीजिए एवं किसी भी एक प्रदेष के लोकनृत्य का वर्णन कीजिए। | |
| Unit- III[rd] | 1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार ग्रीवा भेद का अध्ययन।<br>2. अभिनय किसे कहते हैं। | |
| Unit- IV[th] | 1. प्रायोगिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत तीनताल, दादरा, कहरवा सीखे गये तालों के ठेकों को एकगुन, दुगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध करना।<br>2. समस्त सीखे गये बोलों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास। | |
| Unit- V[th] | 1. ताल त्रिताल, ताल कहरवा, ताल दादरा तालों की ठाह,दुगुन, चौगुन सहित पढ़न्त करने की क्षमता तथा प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोलों की पढ़न्त करने की क्षमता।<br>2. त्रिताल में एक आमद लिपिबद्ध कीजिए। | |

नोटः– प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल – तीनताल, दादरा, कहरवा।

**संदर्भित पुस्तकें:–**


1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)

11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरू दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झ

**प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक** **पूर्णांकः 100**

| | | |
|---|---|---|
| Unit- $1_{st}$ | तीन ताल में निम्नानुसार नृत्य :–<br>पद संचालन, हस्तक संचालन, ठाठ, एक उठान, एक आमद, तीन सादा तोड़े, एक परन, एक तिहाई, एक चक्करदार परन अथवा तोड़े, एक कवित्त एवं तत्कार की ठाह, दुगुन, चौगुन। | |
| Unit- $II^{nd}$ | 3. गत निकास– मुकुट, मुरली व मटकी।<br>4. गतभाव– पनघट (पनिहारिन) | |
| Unit- $III^{rd}$ | 1. गणेशवंदना अथवा गुरू वंदना पर भाव प्रदर्शन।<br>2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार (1–16) हस्तमुद्राओं का मूल–श्लोक सहित प्रायोगिक प्रदर्शन। | |
| Unit- $IV^{th}$ | 1. किसी भी एकप्रदेश के एक लोक नृत्य पर प्रदर्शन।<br>2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार ग्रीवा भेद एवं शिरोभेद का प्रायोगिक प्रदर्शन। | |
| Unit- $V^{th}$ | ताल त्रिताल, कहरवा, दादरा तालों की ठाह, दुगुन, चौगुन सहित पढ़न्त करने की क्षमता तथा प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोलों की पढ़न्त करने की क्षमता। | |